Dr. Jayanti Gurumukhani

M.D., D.M., (Neurology)

स्ट्रोक (मस्तिष्काघात)

मस्तिष्काघात एक चिकित्सकीय (मेडिकल) आपात–स्थिति है, जो मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित होने या रुक जाने के कारण मस्तिष्क उतकों को आक्सीजन की आपूर्ति न होने से घटित होती है। इस वजह से मस्तिष्क कोशिकाएं मरने लगती हैं और जरुरी निर्देश देने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है।

मस्तिष्काघात के क्या लक्षण हैं?

मस्तिष्काघात के सामान्य लक्षण और चिन्ह हैं

- चेहरे, बांहों या पैरों में अचानक कमजोरी या सुन्नता हो जाना
- अचानक घबराहट या बोलने या दूसरों की बात समझने में परेशानी
- देखने में परेशानी
- अचानक चक्कर आना, असंतुलन या चलने में परेशानी
- अचानक भयानक सरदर्द

मस्तिष्काघात के क्या कारण हैं?

मस्तिष्क को रक्त का प्रवाह कम होना या रुक जाना मस्तिष्काघात का कारण है। धमनी में अवरोध आ जाने से मस्तिष्काघात हो सकता है। अधिक रक्त दाब (बी पी) व अन्य कारणों से रक्त वाहिनी के फट जाने से रक्त मस्तिष्क उतको मे आ जाता है उससे भी स्ट्रोक होता है।

Phone: (+91) 278-3004936, (+91) 278-2224936, Mobile: (+91) 9898355080

Website: http://www.neuroguru.in Email: neuroguru7@gmail.com

Dr. Jayanti Gurumukhani

M.D., D.M., (Neurology)

करें

- ✓ फल और सब्जी युक्त पौष्टिक भोजन करें
- ✓ वजन नियंत्रित रखें
- ✓ शारीरिक मेहनत करें (सक्रिय रहें)
- ✓ नियमित व्यायाम करें
- ✓ अपने भोजन में कोलेस्ट्रॉल और संतृप्त वसा की मात्रा कम रखें

न करें

- × धूम्रपान या तम्बाकू का सेवन न करें
- × रजोनिवृत्त महिलाएं हार्मोन बदलाव थेरेपी का प्रयोग न करें
- × शरीर का भार बीएमआइ 22 से अधिक न बढ़ने दें
- × शराब का सेवन न करें

मस्तिष्काघात: भ्रम और तथ्य

भ्रम 1: आम तौर पर बूढ़े लोगों को मस्तिष्काघात होता है।

तथ्य: आम तौर पर बढ़ती आयु में मस्तिष्काघात देखा जाता है। आघात से प्रभावित व्यक्तियों के लगभग एक चौथाई 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग होते हैं, लेकिन यह युवा लोगों तथा बच्चों में भी होता है।

भ्रम 2: मस्तिष्काघात हृदय से होता है।

तथ्य: मस्तिष्काघात एक स्थिति है, जब रक्त–आपूर्ति में कमी आने की वजह से मस्तिष्क की रक्त शिराएं (वाहिनियां) बाधित हो जाती हैं।

समय पर चिकित्सा से आपके ठीक होने की संभावना बढ़ सकती है। जितनी जल्दी और शीघ्र चिकित्सा प्राप्त होती है, मरीज के लिए उतना ही बेहतर है। आकस्मिक चिकित्सा सहायता प्राप्त कर ठीक होने के बाद, भविष्य में मस्तिष्काघात को फिर से आने से बचने के लिए आपको नियमित रूप से डॉक्टर की सलाह और इलाज का पालन करना चाहिए।

Phone: (+91) 278-3004936, (+91) 278-2224936, Mobile: (+91) 9898355080

Website: http://www.neuroguru.in Email: neuroguru7@gmail.com